No. of Printed Pages : 8

BLPI-002

CERTIFICATE IN SERICULTURE

(CIS)

Term-End Examination

June, 2020

BLPI-002 : HOST PLANT CULTIVATION

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

Note : *(i) Attempt any five questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

---

1. (a) What are the different factors which encourage cultivation of mulberry in South India ? 5

   (b) Describe grafting and budding of mulberry plantation. 5

2. (a) Define Biofertilizers. Name the biofertilizers used in mulberry cultivation along with its recommended dose. 3+4

   (b) Enlist the popular varieties of mulberry cultivated in South India. 3

3. (a) Describe the concepts of chawki mulberry gardern. 5

   (b) Explain pruning and its advantages. 5

4. (a) What are the scope for mechanization in mulberry cultivation ? 5

   (b) What are the different methods to conserve the soil moisture ? 5

5. (a) What are the desired characteristics of mulberry varieties required for sub-tropical sericultural zone ? 5

(b) Discuss about leaf harvesting, transportation and preservation of mulberry leaves recommended for East/ North-Eastern India. 5

6. (a) Describe seed treatment and sowing practice of castor plant. 5

(b) Describe the process of raising Kesseru nursery. 5

7. (a) Fill in the blanks : 1 each

(i) Leaves contribute to _____% of the total cost of production of cocoons.

(ii) Alkaline soils have pH _____ than 7.

(iii) Soil with 30-35% sand, 0-30% silt and 0-20% clay are called _____ soils.

(iv) Goshoerami is a popular mulberry variety in _____ region.

(v) There are _____ known species of oak tasar host plants in India.

(b) List the primary food plants for temperate and tropical tasar silkworms. 5

8. Write short notes on the following : 5 each

(a) Pollarding

(b) Propagation of Som plant through seedlings

BLPI-002

रेशमकीट पालन में प्रमाण-पत्र (सी.आई.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.एल.पी.आई.-002 : पोषक पौधे की कृषि

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (क) दक्षिण भारत में शहतूत की कृषि को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं ? 5

(ख) शहतूत पौधारोपण में कलम बाँधना और मुकुलन का वर्णन कीजिए। 5

2. (क) जैव-उर्वरक को परिभाषित कीजिए। शहतूत कृषि में इस्तेमाल किए जाने वाले जैव-उर्वरकों के नाम तथा संस्तुत मात्रा लिखिए। 3+4

(ख) दक्षिण भारत में उगाई जाने वाली शहतूत की लोकप्रिय किस्मों की सूची तैयार कीजिए। 3

3. (क) चॉकी शहतूत बागान की अवधारणा का वर्णन कीजिए। 5

(ख) काट-छाँट और उसके लाभों की व्याख्या कीजिए। 5

4. (क) शहतूत कृषि में यंत्रिकरण के अवसर क्या हैं ? 5

(ख) मृदा आर्द्रता को संरक्षित करने की विभिन्न विधियाँ कौन-सी हैं ? 5

5. (क) उप-उष्ण कटिबंधीय रेशमोत्पादन क्षेत्र के लिए आवश्यक शहतूत की किस्मों की अपेक्षित विशिष्टताएँ कौन-सी हैं ? 5

(ख) पूर्वी/उत्तर-पूर्वी भारत के लिए संस्तुत शहतूत की पत्तियों की तुड़ाई, परिवहन और संरक्षण के बारे में चर्चा कीजिए। 5

6. (क) अरण्डी पौधे के बीज उपचार और बुआई पद्धतियों का वर्णन कीजिए। 5

(ख) कसेरु नर्सरी को उगाने की पद्धति का वर्णन कीजिए। 5

7. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : प्रत्येक 1

(i) कोसाओं के उत्पादन की कुल लागत में ..... प्रतिशत योगदान पत्तियों का है।

(ii) क्षारीय मृदा में पी. एच. (pH) 7 से ..... होता है।

(iii) 30-50% बालू, 0-30% गाद और 0-20% चिकनी मिट्टी वाली मृदा ..... मृदा कहलाती है।

(iv) गोसोरामी, ... क्षेत्र की शहतूत की लोकप्रिय किस्म है।

(v) भारत में ओक तसर पोषक पौधे की ..... प्रचलित प्रजातियाँ हैं।

(ख) उष्ण कटिबन्धीय और शीतोष्ण कटिबंधीय तसर रेशमकीट के प्राथमिक पोषक पौधों की सूची तैयार कीजिए। 5

8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 5

(क) कटाई (पोलर्डिंग)

(ख) नवोद्भिद पौधों के द्वारा सोम पौधे का प्रवर्धन